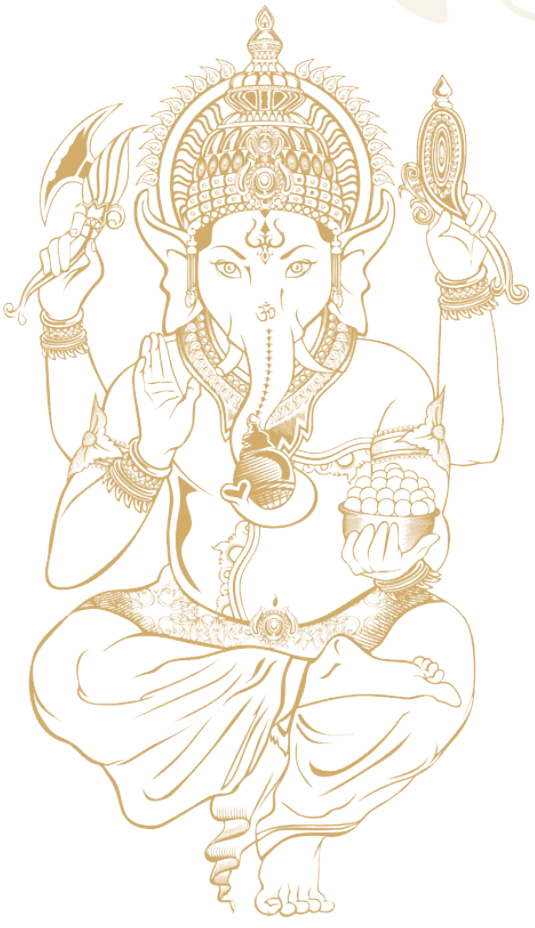

Kharansh Vibhooti

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121125104

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
24/03/1998	जन्म तिथि	12/09/1998
मंगलवार	दिन	शनिवार
घंटे 06:40:00	जन्म समय	18:40:00 घंटे
घटी 00:34:50	जन्म समय(घटी)	31:14:02 घटी
India	देश	India
Jhalawar	स्थान	Kota
24:36:00 उत्तर	अक्षांश	25:11:00 उत्तर
76:09:00 पूर्व	रेखांश	75:58:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:25:24	स्थानिक संस्कार	-00:26:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:26:04	सूर्योदय	06:10:53
18:37:54	सूर्यास्त	18:33:42
23:49:50	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:11

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
चन्द्र 7वर्ष 7मा 12दि	12:54:45	मीन	लग्न	कुंभ	29:03:40	चन्द्र 3वर्ष 4मा 14दि
राहु	09:21:54	मीन	सूर्य	सिंह	25:44:02	राहु
04/11/2012	13:10:37	मक	चंद्र	वृष	18:50:10	26/01/2009
04/11/2030	21:04:08	मीन	मंगल	कर्क	20:39:21	26/01/2027
राहु 18/07/2015	26:45:05	मीन	बुध	सिंह	14:01:36	राहु 09/10/2011
गुरु 11/12/2017	17:31:45	कुंभ	गुरु व	कुंभ	29:41:41	गुरु 04/03/2014
शनि 17/10/2020	22:56:38	मक	शुक्र	सिंह	13:15:55	शनि 08/01/2017
बुध 06/05/2023	26:57:08	मीन	शनि व	मेष	09:08:01	बुध 28/07/2019
केतु 23/05/2024	16:34:19	सिंह	राहु व	सिंह	07:31:05	केतु 15/08/2020
शुक्र 24/05/2027	16:34:19	कुंभ	केतु व	कुंभ	07:31:05	शुक्र 15/08/2023
सूर्य 17/04/2028	17:43:44	मक	हर्ष व	मक	15:29:45	सूर्य 09/07/2024
चन्द्र 17/10/2029	07:52:06	मक	नेप व	मक	05:46:21	चन्द्र 08/01/2026
मंगल 04/11/2030	14:11:11	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	11:39:57	मंगल 26/01/2027

लग्न-चलित

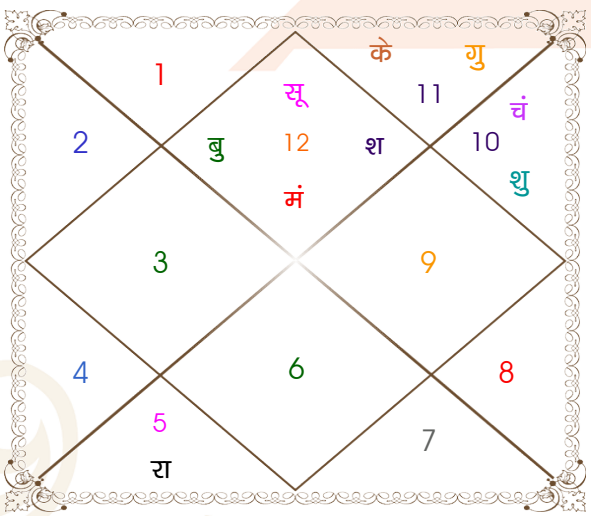

लग्न-चलित

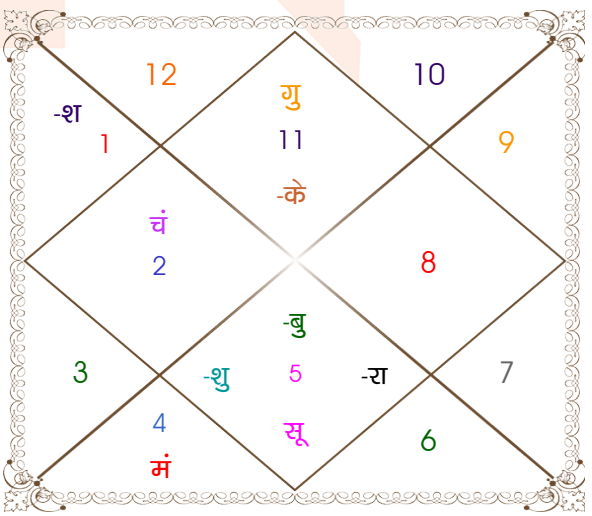

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	चतुष्पाद	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	वानर	सर्प	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	शुक्र	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मकर	वृष	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	अन्त्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	19.00		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि Kharansh का नक्षत्र श्रवण है।

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि टपड़ीववजप का नक्षत्र रोहिणी है।

Kharansh का वर्ग मार्जार है तथा टपड़ीववजप का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Kharansh और टपड़ीववजप का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

Kharansh मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

टपड़ीववजप मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि टपड़ीववजप कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Kharansh तथा टपड़ीववजप में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।